Inclusive Education unit - II E-content
Payal Gupta course code - E-301

बाधिता, विकलांगता और अपंगता मे अन्तर

Difference Between Impairment, Disability And Handicap

प्रकार Types	बाधिता Impairment	विकलांगता Disability	अपंगता Handicap
दृष्टि (Vision)	ठीक से दिखाई न देना।	प्रतिबिम्ब का न बनना	स्पष्ट दिखाई न देने की अपंगता
श्रवण (Hearing)	सुनने की कठिनाई	स्पष्ट न सुनने की कठिनाई का अनुभव	सामान्य आवाज सुनने के अयोग्य होना
वाणी (Speech)	बोलने की कठिनाई	स्पष्ट उच्चारण न कर पाना	स्पष्ट बोलने के अयोग्य होना।
शारीरिक (Physical)	किसी अंग का पूर्ण या आंशिक रूप से न होना।	हरकत करने मे कठिनाई	सामान्य उपयोग न कर पाना।
मानसिक Mental	सामान्य बुद्धि-लब्धि का न होना।	बुद्धि का प्रयोग न कर पाना	सोचने, समझने मे कठिनाई
अधिगम विकलांगता Learning Disabled	बुद्धि का सक्रिय प्रयोग न होना	समझने, बोलने तथा लिखने मे कठिनाई	सामान्य बालकों के समान समझने मे कठिनाई।

Scanned with CamScanner

Payal Gupta   Course Code - E-301
Unit - 2   ①

विविध आवश्यकता वाले बालक

Children with diverse needs

विविधता की परिभाषा -

मार्शल के अनुसार, " विविधता का अर्थ योग्यता, लिंग, जाति, प्रजाति, भाषा, चिन्ता स्तर, सामाजिक आर्थिक स्तर, विकलांगता, लिंग व्यवहार या धर्म से सम्बन्धित होता है"

"Meaning of diversity is ability, gender, race, ethnicity, language, class status, economic socio status, disability, sexuality or religion"

③ विविध आवश्यकता वाले बालकों का अर्थ एवं परिभाषा

विविध आवश्यकता वाले बालकों को अपवादी बालक भी कहा जाता है। सामान्यतः वे बच्चे जो अपनी योग्यताओं, क्षमताओं, व्यक्तित्व एवं व्यवहार के द्वारा अपनी उम्र के अन्य बच्चों से भिन्न होते हैं विविध या विशिष्ट आवश्यकता वाले बालक कहे जाते हैं। इन बच्चों का मानसिक विकास या तो इतना अधिक होता है कि वे आगे निकल जाते हैं या फिर इतना कम होता है कि वे अन्य बालकों से पीछे रह जाते हैं। इन दोनों ही स्थितियों में इस प्रकार के बच्चों को अलग प्रकार की शिक्षा एवं अन्य सुविधाओं की आवश्यकता होती है।

प्रत्येक बच्चा एक दूसरे से भिन्न होता है यह भिन्नता शारीरिक, मानसिक, सामाजिक व संवेगात्मक दृष्टि से होती है। कुछ बालक कार्य करने में इतने कुशल व तीव्र होते हैं कि वे अन्य बालकों से आगे निकल जाते हैं व कुछ इतने ढीले होते हैं कि वे पिछड़

जाते हैं तो ऐसे बालक विशिष्टता की श्रेणी मे सम्मिलित किये जाते हैं। यह भिन्नता धनात्मक व ऋणात्मक किसी भी दिशा मे हो सकती है।

क्रिक के अनुसार, "विशिष्ट बालक मानसिक, शारीरिक तथा सामाजिक गुणो मे सामान्य बालको से भिन्न होता है। उसकी भिन्नता कुछ ऐसी सीमा तक होती है कि उसे स्कूल के सामान्य कार्यो मे विशिष्ट शिक्षा सेवाओं मे परिवर्तन की आवश्यकता होती है। ऐसे बालको के लिये कुछ अतिरिक्त अनुदेशन भी चाहिये। ऐसी दशा मे उनकी सामर्थ्य का सामान्य बालको की अपेक्षा अधिक विकास हो सकता है।"

"An exceptional child is he who deviates from the normal or average children in mental, physical and social characteristics to such an extent that he requires a modification of school practices or special educational services or supplementary instruction in other to develop to his maximum capacity."

क्रो और क्रो के अनुसार, "विशिष्ट प्रकार या विशिष्ट शब्द ऐसे गुणो या उस गुण को रखने वाले व्यक्ति पर लागू किया जा सकता है जिसके कारण वह व्यक्ति अपने साथियो का विशिष्ट ध्यान अपनी ओर आकर्षित करता है।"

"The term exceptional is applied to traits or to a person possessing the traits, because of it individual recieves special attention from his fellows."

हेबर तथा हेबर के अनुसार, "असाधारण बालक, जैसा कि वह मनोविज्ञान मे प्रयुक्त है, का तात्पर्य अत्यधिक प्रवीण एवं प्रतिभाशाली बालको

Scanned with CamScanner